काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय
प्रेस, पब्लिकेशन एण्ड पब्लिसिटी सेल

दिनांकः 05.03.2010

प्रेस–विज्ञप्ति

वैश्विक चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय शैक्षिक उत्कृष्टता की ओर अग्रसर

भारत को वैश्विक अर्थतंत्र में अपना स्थान बनाने के लिए उच्च प्रशिक्षण प्राप्त पेशेवरों की आवश्यकता है जो गुणवत्ता युक्त उच्च शिक्षा को अनिवार्य बना देती है। अन्य एशियाई देश भी विश्व स्तरीय विश्वविद्यालय बनाने के उद्देश्य से अपनी उच्च शिक्षा को उन्नत बना रहे हैं। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के साथ अग्रिम पंक्ति में खड़ा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को "उत्कृष्टता की क्षमता रखने वाले विश्वविद्यालय" स्तर के रूप में सुचिबद्ध किया है। इसके तहत विश्वविद्यालय को 'स्पेशल फंड' के अन्तर्गत 50 करोड़ रूपए अवांटित किया गया है जिससे यह अपने उत्कृष्टता के स्तर को पाने तथा बनाए रखने में समर्थ होगा। ख्याति प्राप्त विज्ञान पत्रिका 'करेन्ट साइंस'(25 सितंबर 2009) के अनुसार । इसके पूर्व में हमारा विश्वविद्यालय विज्ञान के क्षेत्र में अपने प्रकाशनों के आधार पर वरीयता क्रम में प्रथम स्थान प्राप्त कर चुका है। यहाँ यह बताना भी उचित होगा कि निसकार (छप्ैब्।त्) के वेब आफ साइंस के डाटाबेस द्वारा शीर्ष के 25 विश्वविद्यालयों की श्रेष्ठता सुची में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को दूसरे स्थान पर रखा गया है (करेन्ट साइंस–जून 2009) । याद रहे कि भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार ने पूर्व में भी काशी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को प्रकाशनों, विज्ञान में फेलोशिप्स, पुरस्कार तथा छात्रों की गुणवत्ता के आधार पर देश में प्रथम स्थान दिया है। यह अग्रणी विज्ञान पत्रिका करेन्ट साइंस की नवीनतम सूचना है जिसमें काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को 25 विश्वविद्यालयों में प्रथम तथा द्वितीय स्थान दिया गया है। भारत के विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैवप्रौद्योगिकी विभाग द्वारा "इण्टरडिसिप्लीनरी स्कूल आफ लाइफ साइंसेज" हेतु 23.89 करोड़ रूपए का अनुदान दिया गया है जो विश्वविद्यालय के ताज में एक और पंख लगाने जैसा है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने पहली बार राजीव गांधी दक्षिणी परिसर हेतु 100 करोड़ रूपए तथा नियमित वित्तीय योजना प्रदान किया है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय विश्व स्तरीय विश्वविद्यालय बनने के लक्ष्य को प्राप्त करने के साथ उच्च शिक्षा को उत्कृष्ट कर रहा है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में पिछले कुछ समय के दौरान किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यों से सम्बन्धित कुछ महत्वपूर्ण बिन्दु निम्नलिखित हैंः

(क) वैश्विक उच्च शिक्षा में सशक्त बनने हेतु प्रयत्नशील काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की विशिष्टता इसके उभरते हुए विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के जाने माने अनुसंधान समूहों, (मैटीरियल साइंस एवं प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, पर्यावरण तथा पारिस्थितिकी) विदेशी छात्रों की संख्या में अभिवृद्धि (झ 600, 2009), अति कुशल शिक्षक (दसवीं योजना में झ 500 एवार्ड, फेलोशिप तथा अन्य पुरस्कार एवं विशिष्टता पदक), डी0एस0टी0 के एफ0आई0एस0टी0 कार्यक्रम के अन्तर्गत 22 विभागों/स्कूलों को सहायता, यू0जी0सी0 के सी0ए0एस0/एस0ए0पी0/डी0आर0एस0 कार्यक्रमों के अन्तर्गत 14 विभागों/स्कूलों को सहायता के कारण है।
- ख्याति प्राप्त विज्ञान पत्रिका 'करेन्ट साइंस'(25 सितंबर 2009) के अनुसार काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को प्रकाशनों के आधार पर वरीयता क्रम में प्रथम स्थान दिया गया है। यहाँ यह बताना भी उचित होगा कि निसकार (छप्ैब्।त्) के वेब आफ साइंस के डाटाबेस द्वारा शीर्ष के 25 विश्वविद्यालयों की श्रेष्ठता सुची में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को दूसरी स्थान पर रखा गया है।

(करेन्ट साइंस–जून 2009) काशी हिन्दू विश्वविद्यालय सहित चार विश्वविद्यालयों हैदराबाद विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा जादवपुर विश्वविद्यालय को अन्य 21 विश्वविद्यालयों की तुलना में अत्यधिक प्रशंसा उल्लेख (साइटेशन) प्राप्त हुए है। (झ10000) जो इन चार विश्वविद्यालयों के अनुसंधान तथा प्रकाशनों की उत्कृष्टता का द्योतक है।

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को "उत्कृष्टता की क्षमता रखने वाले विश्वविद्यालय" स्तर के रूप में सुचिबद्ध किया है। इसके तहत विश्वविद्यालय को 50 करोड़ रूपए अवांटित किया जाएगा जिसमें से 35 करोड़ रूपए समग्र विकास तथा 15 करोड़ रूपए चुने हुए विषयों के शिक्षण तथा अनुसंधान पर खर्च किया जाएगा।
- भारत के विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैवप्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संरक्षण जीवविज्ञान, रोग जीवविज्ञान, फंक्सनल जीनोमिक्स, सूक्ष्म परिस्थितिकी, न्यूरोबायोलाजी, प्रजनन जीवविज्ञान तथा स्ट्रेस बायोलाजी के क्षेत्र में उच्चानुशीलित अनुसंधान हेतु "इण्टरडिसिप्लीनरी स्कूल आफ लाइफ साइंसेज" की स्थापना हेतु 23.89 करोड़ रूपए का अनुदान दिया गया है
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को 11वीं पंचवर्षीय योजना के वित्तीय आवंटन की दृष्टि से वरीयता दी गई है (रू. 845.02 करोड़)। इसमें रू. 283.77 करोड़ परियोजना अनुदान तथा रू. 561.25 करोड़ अन्य पिछड़ी जातियों के आरक्षण हेतु शामिल हैं।
- मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 11वीं पंचवर्षीय योजना में एकमुश्त 27.0 करोड़ रूपए आवंटित करने के उपरांत पहली बार राजीव गांधी दक्षिणी परिसर हेतु 100 करोड़ रूपए तथा नियमित वित्तीय योजना प्रदान किया गया है।
- नवीन पहल के अंतर्गत तीन दशकों के अंतराल पर ''पर्यावरण एवं सम्पोष्य विकास संस्थान'' के रूप में चौथा संस्थान स्थापित किया जा रहा है।
- एकमुश्त अनुदान के रूप में राजीव गांधी दक्षिणी परिसर को 11वीं पंचवर्षीय योजना के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा रू. 27 करोड़ को विशिष्ट अनुदान प्रदान किया गया है।
- भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार ने शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित लेखों, राष्ट्रीय विज्ञान एकेडमी की फेलोशिप, शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार तथा यहां से उत्तीर्ण छात्रों की गुणवत्ता के आधार पर विश्वविद्यालयों के वरीयता क्रम में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को पहला स्थान दिया है।
- राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एन0ए0ए0सी0) द्वारा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को 'ए' श्रेणी प्रदान की गई है।
- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय स्थित संस्थानों एवं संकायों के राष्ट्रीय वरीयता क्रम में भी उन्नयन हुआ है। विधि संकाय को 2007 में 14वें से 2008 में 10वां स्थान, प्रौद्योगिकी संस्थान को 2007 में 15वें से 2008 में 9वां स्थान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान को 15वां स्थान दिया गया है (इंडिया टुडे 4 जून 2007 तथा 4 जून 2008)
- आउटलुक पत्रिका ने प्रौद्योगिकी संस्थान को देश के 50 सरकारी अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के सर्वेक्षण में 2007 में 7वां तथा 2008 में 6वां स्थान दिया है (आउटलुक 11 जून 2007 तथा 13 जून 2008)।
- उत्तर प्रदेश के चार केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को सबसे ऊंचा स्थान दिया गया है। (आउटलुक 25 जून 2007)
- नेशनल इंस्टीट्यूट आफ साइंस, टेक्नालाजी एण्ड डेवलपमेंट स्टडीज, नई दिल्ली ने पिछले 10 वर्षों में सर्वोच्च प्रकाशन संख्या वाले 35 विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थानों के सर्वेक्षण में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को 6वें स्थान पर रखा है। इस अध्ययन के आधार पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली की विज्ञान तथा अभियांत्रिकी अनुसंधान परिषद ने 14 विश्वविद्यालयों को अनुदान देने हेतु चिन्हित किया है जिनमें काशी हिन्दू विश्वविद्यालय भी शामिल है। इन विश्वविद्यालयों को तीन वर्षों तक प्रतिवर्ष 2 से 10 करोड़ रूपए दिये जायेंगे।
- अध्यापकों की गुणवत्ता, उद्योगों से संवाद, आधारभूत संरचना तथा पदस्थापन के आधार पर स्कूल आफ बायोटेक्नोलॉजी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को 9वां स्थान दिया गया है। (बायो स्पेक्ट्रम 2008 वाल. 6 सं 1)

- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रतिरक्षा तथा जीव विज्ञान को तीसरा स्थान, कृषि तथा जीव विज्ञान को 7वां स्थान, जैव रसायन विज्ञान आनुवंशिकी एवं आण्विक जैविकी को 8वां स्थान, फार्मोकोलाजी में आविष विज्ञान तथा फार्मास्यूटिक्स को 9वां स्थान, अभियांत्रिकी, भू विज्ञान तथा औषधि को 10वां स्थान दिया गया है। जबकि आईआईएस बैंगलोर को प्रथम स्थान, आईआईटी कानपुर को 9वां स्थान तथा टाटा इन्स्टीट्यूट आफ फन्डामेन्टल रिसर्च (टी0आइ0एफ0आर0) मुंबई को 11वां स्थान दिया गया है। (स्त्रोतः स्कोपस इंटरनेशनल डाटाबेस 1996–2006 के प्रकाशनों में दिए अंशदान के स्टेटस आफ इंडिया इन साइंस एण्ड टेक्नालाजी के अनुसार)
- पिछले वर्ष नियमित प्रोन्नतियों के अतिरिक्त 297 नियुक्तियां की गई (शिक्षक एवं शिक्षणेतर)।
- अधोलिखित सारणी के तदर्थ परियोजनाओं में रिकार्ड वित्तीय संसाधन प्राप्त किया गयाः

परियोजना	2005.06	2006.07	2009–फरवरी 2010
अनुमोदित परियोजनाओं की संख्या	134	298	466
अनुमोदित राशि	26ण्47 करोड़	46ण्1 करोड़	96.4 करोड़

स्पष्ट रूप से शोध परियोजनाओं के माध्यम से विश्वविद्यालय को 2007 के 46.1 करोड़ की तुलना में 2008 में लगभग दुगनी राशि 81.6 करोड़ का आवंटन हुआ।

- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की विकासशील गतिविधियों को दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 10वीं पंचवर्षीय योजना में आवंटित 32 करोड़ रूपयों की तुलना में 11 वीं पंचवर्षीय योजना में करीब दस गुना राशि, रूपए 283.76 करोड़ आवंटित किया है। इसके अतिरिक्त अन्य पिछड़ी जातियों के आरक्षण के क्रियान्वयन हेतु 561.25 करोड़ रूपए का प्रावधान भी किया गया है।
- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को 2008–09 में दो पेटेन्ट (जैविक नाशीजीवनाशक, (बायोलाजिकल पेस्टीसाइड), ऋणात्मक ताप विस्तारी पदार्थ) प्राप्त हुये एवं 3 पेटेन्ट विचाराधीन हैं।

(ख) 11वीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की प्राथमिकताएं

- आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ तथा अत्याधुनिक बनाना।
- प्रतिभाशाली अध्यापकों को आकर्षित करने तथा उन्हें अपने यहाँ रोके रखने के लिए नयी युक्तियां/योजनाएं।
- प्रशासनिक सुधार (विकेन्द्रीकरण, स्वायत्ता तथा ई–शासन)।
- शैक्षणिक सुधार, अन्तर संकाय क्रेडिट स्थानान्तरण, नवीन पाठ्यक्रम, परीक्षाओं तथा प्रवेश में सूचना प्रौद्योगिकी आधारित पद्धति का उपयोग।
- अनुसंधान प्राथमिकताओं का निर्धारण (अन्तर–संस्थान/संकाय/विश्वविद्यालय स्तर पर प्रायोजित बहुविषयी प्रमुख परियोजनाएं)।
- राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा का विकास।
- संस्थानों के अन्तर्गत चिकित्सा विज्ञान संस्थान को सर्वाधिक रू. 22.82 करोड़, प्रौद्योगिकी संस्थान को रू. 14.41 करोड़ एवं कृषि विज्ञान संस्थान को रू. 4.35 करोड़ आवंटित किया गया है।
- संकायों में विज्ञान संकाय को सर्वाधिक (रू. 10.21 करोड़) अनुदान आवंटित किया गया है।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सहायता राशि में विज्ञान तथा तकनीकी (आई0एम0एस0, आई0टी0, कृषि विज्ञान संस्थान, विज्ञान संकाय) को अधिक वरीयता दी गयी।
- संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय को प्रथम बार उल्लेखनीय अनुदान (रू.1.70 करोड़) मिला।
- कृषि विज्ञान संस्थान, सर सुन्दरलाल चिकित्सालय तथा महिला महाविद्यालय को प्रथम बार यू0जी0सी0 से अनुदान प्राप्त हुआ है।
- विलयित योजनाओं में बी0एच0यू0 को सर्वाधिक आवंटन (रू. 6.77 करोड़) तथा एम0फिल0 एवं पी0एचडी0 के लिए फेलोशिप हेतु अनुदान (रू. 45 करोड़) मिला है।

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने यात्रा भत्तों, गोष्ठी, प्रशिक्षण, प्रकाशन तथा विजिटिंग प्रोफेसर तथा फेलो, आदि मदों में निरीक्षण समिति द्वारा अनुमोदित धनराशि से दुगनी राशि आवंटित की है।
- खेल कूद, ढांचागत संरचना, उपकरणों तथा अनुरक्षण सुविधाओं, महिला छात्रावास, महिलाओं हेतु आधारभूत सुविधाएं, शिक्षक कुशलता सुधार कार्यक्रम, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ी जातियों हेतु कोचिंग, विश्वविद्यालय में रोजगार परामर्श प्रकोष्ठ तथा आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (इंटर्नल क्वालिटी एश्योरेन्स सेल) आदि के लिये विश्वविद्यालय को सर्वाधिक अनुदान आवंटित किया गया है।
- एक नवीन पहल के रूप में 'पर्यावरण एवं सम्पोष्य विकास संस्थान' हेतु रू. 7.50 करोड़ का विशिष्ट अनुदान आवंटित किया गया है।

(ग) काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा अन्य पिछड़ी जातियों के लिये आरक्षण एवं इसके क्रियान्वयन की योजना

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशों के अनुरूप अन्य पिछड़ी जातियों के लिए निर्धारित आरक्षण को लागू करने का निर्णय लिया गया है। इसमें विद्यार्थियों तथा अध्यापकों के लिए योजनाबद्ध तथा चरणबद्ध तरीके से अतिरिक्त सुविधाओं की व्यवस्था करनी होगी।

आरक्षण के क्रियान्वयन के प्रयास

- प्रवेश के लिए आधार वर्ष 2006-07 को माना गया है। आरक्षण की सुविधा केवल नियमित स्नातक, स्नातकोत्तर तथा पी0एचडी0 कार्यक्रमों में है। लेकिन विशिष्ट पाठ्यक्रमों, आदि में आरक्षण की सुविधा नहीं है।
- अन्य पिछड़ी जातियों के आरक्षण के अन्तर्गत सृजित शिक्षक तथा शिक्षणेतर पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया प्रारम्भ की जा चुकी है।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अन्य पिछड़ी जातियों के प्रवेश में आरक्षण के लिए रू. 561.25 करोड़ आवंटित किया है।

(घ) 2009 में कुछ नवीन पहल तथा विकास से सम्बन्धित उपलब्धियाँ

- भारत के विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैवप्रौद्योगिकी विभाग द्वारा "इण्टरडिसिप्लीनरी स्कूल आफ लाइफ साइंसेज" की स्थापना हेतु 23.89 करोड़ रूपए का अनुदान दिया गया
- 2010-11 के शैक्षणिक सत्र से सेमेस्टर प्रणाली लागू की जायेगी
- प्राथमिकता के क्षेत्रों को लक्ष्य करते हुए तीन कार्य बलों (टास्क फोर्स) भर्ती प्रक्रिया सुधार, सीमेस्टर प्रणाली, चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली, परीक्षा सुधार, पाठ्यक्रम विकास तथा प्रशासनिक सुधार का गठन किया गया
- आईटी बीएचयू को आईआईटी बीएचयू में रूपान्तरित करने के प्रस्ताव को कार्यकारिणी परिषद में मंजूरी प्रदान कर मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पास 16 जुलाई 2009 को भेजा
- विज्ञान संकाय में प्रति घंटे 5 लीटर द्रव नाइट्रोजन तैयार करने की क्षमता युक्त पूर्णतया स्वचालित संयत्र स्थापित किया गया। इसमें 200 लीटर द्रव नाइट्रोजन के भंडारण की क्षमता है।
- 3 अगस्त 2009 को बाल रोग विभाग के ओपीडी के नवीन खण्ड का उद्घाटन किया गया
- कुलपति द्वारा 22 कक्षों वाले अन्तर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास का उद्घाटरन किया गया
- सर सुन्दरलाल चिकित्सालय में भर्ती होने वाले गरीब मरीजों के परिजनों हेतु सांसद कोटे से 'विश्राम कुटीर' धर्मशाला का उद्घाटन किया गया
- कुलपति द्वारा 27 नवम्बर 2009 को लगभग 100 करोड़ की लागत से बनने वाल 20 भवनों को शिलान्यास किया गया। पहली बार 20 भवनों का शिलान्यास एक ही समय में एक साथ किया गया। इन भवनों का निर्माण कार्य मई 2011 तक पूर्ण हो जाएगा। इन भवनों में विज्ञान संकाय का प्रशासनिक भवन, रसशास्त्र विभाग, मंच कला संकाय का उपभवन, दृश्य कला संकाय के प्रदर्शनी हाल का विस्तार, कृषि विज्ञान संकाय का प्रेक्षागृह, कृषि विज्ञान संकाय का शैक्षणिक संकुल, वनस्पतिशास्त्र विभाग का

उपभवन, रसायनशास्त्र विभाग का उपभवन, भूगोल विभाग का उपभवन, भूगर्भशास्त्र विभाग का उपभवन, विज्ञान संकाय का प्रवाचनालय संकुल, प्रबंधशास्त्र संकाय का पुस्तकालय तथा शिक्षक कक्ष, विधि संकाय का छात्रावास तथा संगोष्ठी कक्ष, समाजशास्त्र संकाय का प्रवाचनालय संकुल, कला संकाय का पुस्तकालय तथा शिक्षक कक्ष, कला संकाय का प्रवाचनालय संकुल, भूभौतिकी विभाग का उपभवन, महिला महाविद्यालय का प्रवाचनालय संकुल तथा आयुर्वेद संकाय के पीछे प्रवाचनालय

- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के शिक्षा व्यवस्था के अध्ययन हेतु 20 अगस्त 2009 को केरल विधान सभा के प्रतिनिधिमण्डल ने दौरा किया
- कुलपति ने 16 सिंतंबर 2009 को नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय के 34वें दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित किया
- कुलाधिपति डॉ कर्ण सिंह की अध्यक्षता में 7 अक्टूबर 2009 को बीएचयू कोर्ट की बैठक हुई
- गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर 2009 को आयोजित समारोह में विख्यात गांधीवादी प्रो. एस एन सुब्बाराव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए
- मारीशस के राष्ट्रपति ने 6 दिसम्बर 2009 को भोजपुरी अध्ययन केन्द्र का उद्घाटन किया
- 2009–10 में बीएचयू के कार्यकारिणी परिषद की दो बार बैठक हुई
- उत्तर प्रदेश के राज्यपाल माननीय बी एल जोशी ने पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान की आधारशिला रखते हुए घोषणा किया कि वे उत्तर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में बीएचयू के पर्यावरण कैलेण्डर को लागू करने की संस्तुति करेंगे
- लोकसभा की स्पीकर माननीया (श्रीमती) मीरा कुमार ने चिकित्सा विज्ञान संस्थान हेतु 9 करोड़ रूपए की लागत वाले प्रवाचनालय संकुल का 30 दिसम्बर को शिलान्यास किया।
- कुलपति द्वारा नवीन मेडिकल एन्क्लेव में 92 लाख रूपए की लागत वाली वर्किंग वूमेन्स छात्रावास का उद्घाटन किया गया जिसमें 20 दो बिस्तर वाले कक्ष है।
- 'पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान' की स्थापना।
- राजीव गांधी दक्षिणी परिसर के विकास के लिए नए प्रयास।
- संस्थानों एवं संकायों को अधिक प्रभावशाली, स्वायत्त एवं शैक्षिक रूप से जीवंत बनाने के लिये उनका पुनर्गठन करना है।
- ट्रामा सेन्टर– रू0 120 करोड़, सर सुन्दरलाल चिकित्सालय, आई0एम0एस0, बी0एच0यू0।
- खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र में परास्नातक एवं शोध कार्यक्रम प्रारंभ करने का प्रयास– रू0 8.0 करोड़ डी0बी0टी0 द्वारा।
- ग्रामीण प्रौद्योगिकी कार्य समूह केन्द्र की स्थापना – भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार द्वारा।
- प्रौद्योगिकी संस्थान में टेक्नो–बिजनेस इन्क्यूबेटर केन्द्र हेतु अनुदान – रू. 9.0 करोड़ डी0एस0टी0 द्वारा।
- डी0एस0टी0 सेन्टर फार इन्टरडिसिप्लनरी मैथेमैटिकल साइंसेज हेतु अनुदान– रू. 6.25 करोड़।
- सेन्टर फार जेनिटिक डिसआर्डर (अनुवंशिक विकास केन्द्र) हेतु अनुदान– रू. 4.43 करोड डी0बी0टी0 द्वारा।
- भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा हथकरघा तथा हस्तशिल्प डिजाइन योजना का उच्चीकरण हेतु अनुदान – रू. 36 लाख।
- एस0ए0पी0 के अन्तर्गत सभी 14 विभागों/स्कूलों के ढांचागत सुधार हेतु प्रत्येक को रू0 20 लाख का विशेष अनुदान।
- कृषि शिक्षा के विकास तथा संवर्धन हेतु आई0सी0ए0आर0 द्वारा अनुदान – रू. 80 लाख।
- कृषि विज्ञान संस्थान में बायोकन्ट्रोल, टिश्यू कल्चर, मत्स्य प्रयोगशाला की स्थापना के लिए– रू. 20 लाख।
- आई0यू0ए0सी0, नई दिल्ली तथा बी0एच0यू0 के बीच समझौता ज्ञापन एवं अनुदान– रू. 5.0 लाख आई0यू0ए0सी0 द्वारा।
- स्कूल आफ मैटीरियल साइंस एण्ड टेक्नोलाजी को एफ0आई0एस0टी0 कार्यक्रम के तहत अनुदान (प्रथम किश्त) – रू. 2.7 करोड़ डी0एस0टी0 द्वारा।

- आयुर्वेद संकाय के विकास हेतु आयुश ;।ल्भ्द्धए स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अनुदान – रू. 2.24 करोड़ ।
- भौतिकी विभाग को अनुदान – रू. 1.0 करोड़ यू0जी0सी0 द्वारा।
- सर सुन्दरलाल चिकित्सालय में आयुर्वेद संकाय में क्षारसूत्र राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र हेतु अनुदान – रू. 7.0 करोड़ स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा।
- एकीकृत एम0एस0सी0/एमटेक तथा पी0एच0डी0 कार्यक्रम को प्रारंभ करने तथा अनुसंधान क्षमता में वृद्धि हेतु खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र की स्थापना के लिये अनुदान – रू. 8.00 करोड़ डी0बी0टी0 द्वारा।
- कृषि विज्ञान संस्थान के बीज संबंधी ढांचागत संरचना एवं सुविधाओं को सुदृढ़ करने तथा निर्माण करने के लिए सहायता – रू. 2.84 करोड़ आई0सी0ए0आर0 द्वारा।
- बी0एच0यू0 में अंतरिक्ष विज्ञान गतिविधियों को सुदृढ़ करने हेतु अनुदान– रू. 1.36 करोड़ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अंतरिक्ष विभाग द्वारा।
- ग्रामीण ज्ञान केन्द्रों को आई0सी0टी0 अवसर उपलब्ध कराने के लिए अनुदान – रू. 1.0 करोड़ सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा।
- ज्ञानवाणी तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय केन्द्र के उन्नयन हेतु अनुदान।
- योग तथा ध्यान हेतु आयुर्वेद का उच्चानुशीलन केन्द्र– रू. 2.24 करोड़ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा।
- सी0डी0 पदार्थ हेतु मोजर बेयर तथा डी0आई0टी0 परियोजना हेतु अनुदान–रू. 2.0 करोड़ ।
- प्रो. सी0एन0आर0 राव एजुकेशन फ्रीडम अवार्ड फार एक्सेलेन्स इन सांइस रिसर्च की स्थापना बी0एच0यू0 के पूर्व छात्र प्रो. सी एन आर राव द्वारा अनुदान।
- महिला महाविद्यालय के विज्ञान प्रखण्ड में सावित्री देवी विज्ञान भवन हेतु पूर्व छात्रा तथा इस्पात उद्यमी श्री एल0एन0 मित्तल की पत्नी श्रीमती उषा मित्तल द्वारा अनुदान।
- 33 केवी के पावर स्टेशन तथा 11.0 केवी के उपकेन्द्रों की स्थापना।
- ''कावेरी'' तथा ''गोमती'' नाम के महिला छात्रावासों का निर्माण।
- प्रौद्योगिकी संस्थान में पूर्व छात्र अतिथिगृह की दूसरी मंजिल का निर्माण ।
- संस्थानों/संकायों तथा छात्रावासों में इन्टरनेट सुविधा।
- अध्यापकों के कार्यालयों में कम्प्यूटर, इन्टरनेट तथा दूरभाष की सुविधा।
- वाणिज्य संकाय में द्वितीय तल का निर्माण।
- सर सुन्दरलाल चिकित्सालय के नर्सिंग छात्रावास में द्वितीय तल का निर्माण।
- आण्विक एवं मानव अनुवंशिकी विभाग के भवन का विस्तार।
- माननीय कुलपति महोदय ने विश्वविद्यालय परिसर को और अधिक पर्यावरणीय एवं अनुकूल बनाने के लिए एक नई शुरूआत की है।
    - इसके लिए 'पर्यावरण एवं सतत् विकास संस्थान' की स्थापना निर्धारित की जा चुकी है।
    - परिसर के लिए नया वार्षिक पर्यावरण कैलेण्डर बनाया गया है।
    - काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के अन्तर्गत गंगा एक्शन प्लान के विकास एवं उसकी अनुसंधानात्मक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा।
    - बीएचयू के सभी नए भवनों से वर्षा जल संचित करने के उपाय किये जायेंगे।
    - राजीव गांधी दक्षिणी परिसर के चारों दिशाओं में 100 एकड़ का सघन वन विकसित किया जाएगा।
- शांति, शिक्षण तथा नैतिकता के क्षेत्र में नई शुरूआत।
    - बी0एच0यू0 शांति, मानव मूल्यों तथा नैतिकता की उत्कृष्टता हेतु गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने में पथ प्रदर्शक बनेगा जो पंडित मदन मोहन मालवीय, गौतम बुद्ध, महात्मा गांधी जैसी विभूतियों को सच्ची श्रद्धांजली होगी।
    - शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए ज्ञान, विज्ञान तथा योग के अवधारणा के महत्व को ज्यादा प्राथमिकता दी जाएगी।

- शिक्षा की गुणवत्ता में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए इसमें मानवीय मूल्य तथा नैतिकता नियमावली को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा।
- अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए शांति शिक्षा के लिए अन्तर्राष्ट्रीय यूनेस्को पीठ स्थापित की जाएगी।
- ''अन्तर्द्वन्द्व एवं शांति प्रबन्धन'' तथा ''उच्च वैज्ञानिक नैतिकता'' के पाठ्क्रम प्रत्येक विभाग/संकाय में प्रारम्भ करने के प्रयास किये जायेंगे।
- ''शांति एवं विकास'' पर परास्नातक पाठ्यक्रम प्रस्तावित हैं। इस संदर्भ में संयुक्त राष्ट्रसंघ शांति विश्वविद्यालय, कोस्टारिका के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया है।

- सर सुंदर लाल अस्पताल जो पूर्वी उत्तर प्रदेश एवं पश्चिमी बिहार के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करता है, प्राथमिकता में है।
  - सुपर स्पेशियलटी चिकित्सालय/ट्रामा सेन्टर हेतु प्रयास किये गये हैं।
  - चिकित्सालय की कार्यप्रणाली को पारदर्शी बनाने का प्रयास करना है, जो मरीजों के लिए अधिक सुविधायुक्त हो सके। इस दृष्टिकोण से एक ''आपत्ति निस्तारण प्रकोष्ठ'' का गठन किया गया है जिससे मरीजों तथा उनके परिजनों की उचित आपत्तियों के समाधान में सहायता मिल सकेगी।
  - सर सुन्दरलाल चिकित्सालय के सुचारू संचालन हेतु आपदा प्रबन्धन समिति का भी गठन किया गया है।
  - कम्प्यूटरीकृत चिकित्सालय सूचना प्रणाली को स्थापित करना है।
  - आपरेशन थियेटर संकुल का पुनरूद्धार किया जाना है।
  - सघन चिकित्सा केन्द्र का संवर्धन करना है।
  - माननीय कुलपति जी के द्वारा जनवरी 2009 में एक आपातकालीन आपरेशन थियेटर का उद्घाटन आपातकालीन रोगियों हेतु किया गया।
  - सर सुन्दरलाल चिकित्सालय में गुर्दा संबंधित दो अत्याधुनिक संयत्र एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त पूर्णयतः सुसज्जित दो आपरेशन थियेटर स्थापित किये गये।
  - मनोचिकित्सा विभाग के उन्नयन हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत अनुदान- रू. 2.84 करोड़।
  - सेन्टर फार एक्सीलेन्स की स्थापना हेतु स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अनुदान - रू0 1.0 करोड़।
- विश्वविद्यालय ने साहित्यिक चोरी को गंभीरता से लिया है एवं इसको दूर करने के लिये विस्तृत दिशा निर्देश तैयार किये हैं।
- विद्यार्थियों के मूल्यांकन में प्रशिक्षकों एवं पाठ्यक्रमों के विभिन्नता के प्रभाव को कम करने के लिये विश्वविद्यालय ने सापेक्षिक मूल्यांकन पद्धति को स्वीकार किया है।
- भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग से प्राप्त वित्तीय सहायता के द्वारा अर्न्तविषयी जीवन विज्ञान स्कूल (इण्टरडिसिप्लीनरी स्कूल आफ लाईफ सांइसेज) की स्थापना की जायेगी। (रू0 20 करोड़ के लगभग)
- परास्नातक स्तर पर विद्यार्थियों को अर्न्तविभागीय पाठ्यक्रमों के चयन की सुविधा के लिये विज्ञान संकाय द्वारा उप-वैकल्पिक विषय (माइनर इलेक्टिव्स) पद्धति को प्रारम्भ किया गया है।
- सभी विज्ञान स्नातक विद्यार्थियों को अपनी वैज्ञानिक समझ को विस्तृत करने हेतु अपने तीन मुख्य विषयों के अतिरिक्त गणित, सांख्यिकी, भौतिकी, भू-विज्ञान, जीव विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान जैसे विषयों की पर्याप्त जानकारी प्रदान की जाती है।
- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र बहुत महत्वपूर्ण है इनसे नियमित सम्बन्ध बनाए रखने से विश्वविद्यालय लाभान्वित होगा।
- स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी, ग्रामीण विकास तथा स्वरोगार के क्षेत्र में प्रसार सेवाओं की योजनाएं काशी हिन्दू विश्वविद्यालय मुख्य परिसर एवं राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में स्थापित की गईं हैं। एशिया मीडिया लैब द्वारा 'ग्रामीण ज्ञान केन्द्र', विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग के 'टेक्नो-इन्टरप्रेन्योरियल प्रोमोशन प्रोग्राम, टिफैक द्वारा, टेक्नोलाजी बिजनेस इन्क्यूबेटर, आईसीएआर द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र तथा रूटैग का केन्द्र ऐसा मंच

प्रदान कर रहा है जो समाज को लाभान्वित करने के लिए ज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के प्रसार में सहायक सिद्ध होगा।

- छात्र परिषद का गठन देश के विश्वविद्यालयों के बीच एक अनूठा उदाहरण है। इससे छात्र विश्वविद्यालय स्तर पर लिए जा रहे नीतिगत फैसलों में शामिल हो सकेंगे।
- कुलपति जी ने अनुसंधान में उत्कृष्टता लाने के उद्देश्य से एक कार्य बल (टास्क फोर्स) का गठन किया है। यह कार्य बल अनुसंधान के क्रिया कलापों को सुदृढ़ करने के साथ 3 से 5 अनुसंधान क्षेत्रों की पहचान करेगा जिसमें विश्वविद्यालय वैश्विक स्तर को प्राप्त करने में सक्षम हो। इसके साथ ही कार्यबल पर्यावरण तथा अनुसंधान के प्राथमिक क्षेत्रों की उन्नति के लिए आवश्यक उपाय सुझाएगा।
- कुलपति जी ने आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई0क्यू0ए0सी0) का गठन किया है। यह प्रकोष्ठ शैक्षिक तथा अनुसंधान कार्यक्रमों की गुणवत्ता तथा प्रासंगिकता में सुधार हेतु प्रयास करेगा।

(ङ) राजीव गांधी दक्षिणी परिसर बरकछा में नवीन पहल तथा विकासात्मक बिन्दु

राजीव गांधी दक्षिणी परिसर को युवाओं तथा महिलाओं, विशेष रूप से स्थानीय जन-जातियों तथा समाज के पिछड़े तबकों के लिए शिक्षण, प्रशिक्षण तथा उद्यमशीलता के विकास के एक क्षमतावान केन्द्र के रूप में देखा जा रहा है। परिसर का औपचारिक उद्घाटन माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री अर्जुन सिंह द्वारा 19 अगस्त, 2006 को किया गया।

नवीन पहल

- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलपति ने 29 जुलाई को राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में जाने के लिए अध्यापकों तथा कर्मचारियों के साथ समूह परिवहन के रूप बस का प्रयोग किया। यह यात्रा इंधन की बचत, पर्यावरण सुरक्षा तथा परिसर को पर्यावरण मैत्री का संदेश देने के उद्देश्य से किया गया
- बीएचयू प्रथम कार्बन तटस्थ विश्वविद्यालय बनेगा। राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में 400 एकड़ में उत्तर प्रदेश ग्रामीण विकास विभाग द्वारा नरेगा के तहत वृक्षारोपण पूर्ण करने के उपरांत कार्बन प्वाइंट प्राप्त करेगा।
- राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में प्रशासनिक भवन, विन्ध्यवासिनी महिला छात्रावास तथा कैन्टीन का उद्घाटन तथा महामना की मूर्ति की स्थापना हेतु भूमि पूजन किया गया। यह समारोह 23 जून 2009 को आयोजित किया गया
- मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 11वीं पंचवर्षीय योजना में एकमुश्त 27.0 करोड़ रूपए आवंटित करने के उपरांत पहली बार राजीव गांधी दक्षिणी परिसर हेतु 100 करोड़ रूपए तथा नियमित वित्तीय योजना प्रदान किया गया है।
- आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने रू. 16 करोड़ का अनुदान दिया है।
- मानव संसाधन विकास मंत्रालय के समक्ष परिसर के विकास हेतु 100 करोड़ रूपए का प्रस्ताव विचाराधीन है।
- बरकछा परिसर हेतु अच्छे पेयजल की व्यवस्था 4 कि0 मी0 दूर बरकछा गांव से बूस्टर पंप, ऊंची टंकियों तथा पाइपों के द्वारा की गई है।
- जलस्त्रोत की सुविधा वृद्धि हेतु चौड़े मुंह वाले दों कुएं खोदे गए हैं।
- बरकछा लघु सिंचाई स्त्रोत के रूप में दो मध्यम तथा चार लघु आकार के जल संचय ताल बनाए गए हैं।
- स्व-स्थान मृदा आर्द्रता संरक्षण तथा अपवाह प्रबन्धन तकनीक को सस्य भूमि पर लगाया जा रहा है।
- निर्बाध विद्युत् आपूर्ति के लिए भारतीय राष्ट्रीय पावर ग्रिड कारपोरेशन के द्वारा व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त आवश्यकतानुसार उपयोग हेतु दो जेनरेटर (63 केवी तथा 25 केवी) भी उपलब्ध हैं।
- अतिथि गृहों, वैज्ञानिक छात्रावास, वैज्ञानिक आवास, केवीके तथा फार्म पर्यवेक्षक के गृहों का पुर्नउद्धार कार्य पूरा हो चुका है। पादप ऊतक संवर्धन तथा मृदा परीक्षण प्रयोगशाला तथा सुरक्षा खण्ड का निर्माण

पूरा हो चुका है। दो पुरूष छात्रावास (100 कमरे वाले), केन्द्रीय ग्रन्थालय, किसान छात्रावास, केन्टीन तथा स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। सी0पी0डब्लू0डी0 द्वारा प्रशासनिक खण्ड, व्याख्यान कक्ष संकुल तथा अध्यापक आवासों के निर्माण कराया जा रहा है।

- बीज प्रसंस्करण संयत्र द्वारा फसलों के उन्नत किस्मों के बीजों को प्रसंस्करण द्वारा तैयार किया जा रहा है।
- जल्द ही भारत पेट्रोलियम कम्पनी द्वारा राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में पेट्रोल पम्प स्थापित किया जाएगा।
- राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में इन्टरनेट सुविधा प्रदान कर दी गई है।

शिक्षा एवं अनुसंधान

- वर्तमान समय में परिसर में 18 पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं जिनमें एम0बी0ए0 (एग्रीबिजनेस), बी0फार्म0 (आयुर्वेद), बी0एड0, बी0पी0एड0, डिप्लोमा इन आफिस मैनेजमेंन्ट एण्ड बिजनेस कम्यूनिकेशन, टूरिज्म मैनेजमेन्ट, एम0सी0ए0, एम0एस0सी0 (टेक) इन इनवायरनमेन्ट साइंस एण्ड टेक्नालाजी, बी0काम0, पी0जी0 डिप्लोमा इन इन्श्योरेन्स एण्ड रिस्क मैनेजमेण्ट, नेचुरोपैथी एण्ड योगा थिरेपी तथा हास्पिटल मैनेजमेण्ट तथा एम0एस0सी0 (बायोटेक्नालाजी) शामिल हैं।
- परिसर में पांच करोड़ रूपए की तदर्थ परियोजनाएं चलाई जा रही हैं।
- छात्रों की संख्या निरंतर बढ़ रही है जो 2006-07 के 167 की तुलना में वर्तमान 2008-09 के सत्र में 1000 हो चुकी है।
- 300 हेक्टेयर भूमि पर जेट्रोफा पौध रोपड़ हेतु विशिष्ट नर्सरी बनाई गई है।
- ग्रामीण व्यवसाय हेतु अपेक्षित व्यवसायिक प्रशिक्षण दिया जाता है। इसमें खेतों पर ही सत्यापन परीक्षण, आमुख प्रदर्शन, किसान रैली, गोष्ठी, विचार गोष्ठी तथा तकनीक स्थानान्तरण आदि परिसर स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र के द्वारा संचालित की जाती है।

अतिरिक्त आधारभूत संरचनाओं तथा शिक्षण हेतु प्रस्ताव

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय के समक्ष कृषि जैवप्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना हेतु रू. 125.82 करोड़ का प्रस्ताव भेजा गया है। इस प्रस्ताव पर भारत सरकार द्वारा सक्रिय विचार किया जा रहा है। यह संस्थान सामान्य जैवप्रौद्यागिकी, पादप जैवप्रौद्यागिकी, खाद्य जैवप्रौद्योगिकी, पशु जैवप्रौद्यागिकी तथा बायो-इन्फार्मेटिक्स विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाएगा तथा उपरोक्त विषयों में अपने संस्थागत तथा जुड़े हुए अध्यापकों की सहायता से अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देगा।
- ग्रामीण विकास मंत्रालय के समक्ष 65 करोड़ रूपए की सहायता से ग्रामीण विकास संस्थान के स्थापना का प्रस्ताव विचाराधीन है।
- जगजीवन राम ग्रामीण एवं जनजाति विकास केन्द्र की स्थापना के लिए 15 करोड़ रूपए का प्रस्ताव भारत सरकार के ग्रामीण तथा जनजाति कल्याण मंत्रालय के समक्ष प्रेषित किया गया है।
- जलापूर्ति के लिए खजुरी बंध तथा गंगा से जल संभरण हेतु 9.0 करोड़ रूपए का आवंटन किया गया है।
- गंगा नदी से लिफ्ट कैनाल द्वारा जल को बरकछा परिसर में लाने का प्रस्ताव दिया गया है।

चेयरमैन